यह आशा की जाती है कि यदि परियोजनाएं कार्यक्रम के अनुसार चालू कर दी जाती हैं तो 1984-85 के अंत तक मध्य प्रदेश समग्र रूप से ऊर्जा की अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हो जाएगा ।

(ख) उत्तरी क्षेत्र में फालतू विद्युत की उपलब्धता पर निर्भर करते हुए इस्पात अल्युमीनियम आदि जैसे अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मध्य प्रदेश को सहायता दी जा रही है ।

कोटा ताप बिजली केन्द्र की पहले एकक को चालू करने में देरी

865. **श्री वृद्धि चन्द्र जैन:** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कोटा ताप बिजली केन्द्र के पहले एकक को चालू करने में देरी के क्या कारण हैं ; और

(ख) उक्त एकक कब तक कार्य करना आरम्भ कर देगा ?

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विक्रम महाजन): (क) कोटा विद्युत केन्द्र के लिए यूनिटें अन्य संगठनों के सहयोग से भारत हैवी इलैक्ट्रिक्ल्ज लिमिटेड द्वारा निर्मित की जा रही हैं । कोटा ताप विद्युत केन्द्र की पहली यूनिट को चालू करने में विलम्ब का मुख्य कारण 29 मई, 1982 को परीक्षण के दौरान कन्डेन्सर की विस्तार धौंकनी का फेल हो जाना है, जो कि निर्माण संबंधी खराबी प्रतीत होती है ।

(ख) यूनिट को अब सितम्बर, 1982 के अन्त तक समकालित किए जाने की आशा है ।

Sarin Committee Report

866. SHRI VIRDHI CHANDER JAIN: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether the recommendation of the Sarin Committee that more public telephones should be installed in public places like markets, community centres, railway stations, hospitals and cinema houses has been acccepted by Government; and

(b) if so, what steps have been taken for its implementation and the progress made in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI YOGENDRA MAKWANA): (a) Yes, Sir.

(b) Necessary instructions have been issued to the field units. The number of public telephones on these locations will be increased progressively, in due course.

Drilling for Oil/Gas in Jaisalmer District

867. SHRI VIRDHI CHANDER JAIN: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) the detailed information regarding the progress made in exploration and drilling of oil and gas in Jaisalmer district particularly of drilling work at Gotara in the Southern half of Jaisalmer district; and

(b) the detailed information regarding the progress made in exploration of oil and gas in Barmer, Bikaner and Nagaur sedimentary basins in Rajasthan?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI P. SHIV SHANKAR): (a) The ONGC have so far drilled sixteen exploratory wells in Jaisalmer District of Rajasthan. However, no commercial reserves of hydrocarbons have been found in the area.

Drilling at Gotaru in the southern half of Jaisalmer District was started on 28th February, 1982. The well, projected to a depth of 3,500 metres, has been drilled to 2,006 metres by 5-7-1982.

Geological mapping of exposed sedimentary rocks in Rajasthan has been